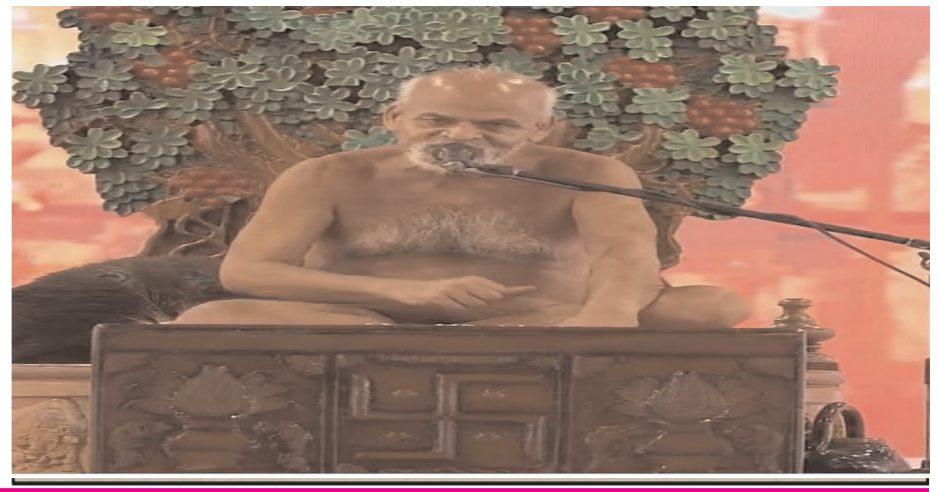


# मैथिली प्रसंग

## MAITHILI PRASANG

नई दृष्टिकोण नई सोच



शनिवार, 20 अप्रैल, 2024, वर्ष : 10, अंक : 04, पृष्ठ : 06, मूल्य : 1.00 रुपये

नई दिल्ली

दिल्ली | मुंबई | पटना | चंडीगढ़ | जयपुर | लखनऊ | भोपाल | रांची | देहरादून

## लोकतंत्र का महापर्व शुरू, पहले चरण में 62% से ज्यादा वोटिंग, त्रिपुरा में सबसे अधिक

निर्वाचन आयोग के अनुसार, त्रिपुरा में सर्वाधिक 80.17 प्रतिशत और बिहार में सबसे कम 48.50 वोट डाले गए। पहले चरण में सबसे ज्यादा 102 सीटों पर मतदान कराया जा रहा है। पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, मणिपुर सहित कुछ राज्यों में छिटपुट हिंसा के बीच आमतौर पर मतदान शांतिपूर्ण रहा।

विनय कुमार



दिखने लगी। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शाम छह बजे तक 62 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ। मतदान के अंतिम आंकड़े आने तक इसमें बदलाव हो सकता है। कई स्थानों पर मतदान का निर्धारित समय (शाम 6 बजे) समाप्त होने के बाद भी लोग लाइनों में लगे रहे। इसी के साथ चुनाव मैदान में उतरते कुल 1625 उम्मीदवारों का चुनावी भविष्य इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों के मेमोरी कार्ड में लॉक हो गया है।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, त्रिपुरा में सर्वाधिक 80.17 प्रतिशत और बिहार में सबसे कम 48.50 वोट डाले गए। पहले चरण में सबसे ज्यादा 102 सीटों पर मतदान कराया जा रहा है। पश्चिम बंगाल,

छत्तीसगढ़, मणिपुर सहित कुछ राज्यों में छिटपुट हिंसा के बीच आमतौर पर मतदान शांतिपूर्ण रहा। अरुणाचल प्रदेश की 60 और सिक्किम की सभी 32 विधान सभा सीटों पर भी आज मतदान कराया गया।

पहली बार मताधिकार पाने वाले युवा मतदाताओं में वोट डालने का खासा उत्साह नजर आया। आयोग के अनुसार, सभी 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पहले चरण की मतदान प्रक्रिया सुचारु रूप से और शांतिपूर्वक रही है। 18वीं लोकसभा के 543 सदस्यों को चुनने के लिए आम चुनाव 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में होंगे। नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे।

चुनाव आयोग ने मतदान को स्वतंत्र और निष्पक्ष तरह से संपन्न कराने के लिए पर्यवेक्षकों की तैनाती के अलावा सुरक्षा के व्यापक प्रबंध

किए। मुख्य निर्वाचन आयुक्त अपने दो सहयोगी चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और सुखवीर सिंह संघ के साथ आयोग के मुख्यालय से पूरी प्रक्रिया पर निगाह रखी।

**सीमा बाड़बंदी पार कर डाले वोट**

भारत-बांग्लादेश सीमा पर तकनीकी कारणों से बाड़बंदी के आगे रह रहे करीब 2500 मतदाताओं ने भी शुक्रवार को बाड़बंदी में आकर पश्चिमी त्रिपुरा सीट पर मतदान किया। कंटोले तारों वाली बाड़ के कारण उनके जीवन में कठिनाइयां हैं लेकिन उन्होंने लोकतंत्र के महापर्व में अपने मताधिकार का अवसर नहीं छोड़ा। मतदान की सुविधा के लिए सुबह से ही सीमा के द्वार खोल दिए गए थे। बाड़ के किनारे रहने वाले एक भारतीय नागरिक हफीजुर रहमानज ने कहा कि उनके गांव में रहने वाले सभी 50 मतदाता जुम्मा होने के बावजूद सुबह ही वोट डाल चुके थे।

**गडकरी, भूपेंद्र व मेघवाल की किस्मत लॉक**

पहले चरण के चुनाव में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भूपेंद्र यादव, किरण रिजजू, जितेंद्र सिंह, अर्जुन राम मेघवाल और सबनंद सोनोवाल मैदान में हैं। कांग्रेस के मौजूद गोगोई, डीएमके की कनिमोशी और बीजेपी के तमिलनाडु प्रमुख से अन्नामलाई की किस्मत भी शुक्रवार को वोटिंग मशीनों में बंद हो गई।

## हम न कभी आरक्षण के साथ छेड़खानी करेंगे, न किसी को करने देंगे, नामांकन भरने के बाद बोले गृहमंत्री

मैथिली प्रसंग ब्यूरो/ हेमन्त कुमार

**मैथिली प्रसंग ब्यूरो, नई दिल्ली।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के लिए गुजरात की गांधीनगर सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन करने के बाद अमित शाह ने मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। साथ ही कांग्रेस के संविधान बदलने वाले आरोपों को निराधार भी बताया।

**हम न कभी आरक्षण के साथ छेड़खानी करेंगे, न किसी को करने देंगे**

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि विपक्षी दल संविधान बदलने के मुद्दे को आरक्षण से जोड़कर पेश कर रही हैं, मैं खुलकर साफ कहना चाहता हूँ, हमारे पास 2014 और 2019 में स्वयं का पूर्ण बहुमत था। 10 साल से पीएम मोदी सरकार चला रहे हैं। हमने कभी आरक्षण को छेड़ा नहीं। लेकिन, मैं स्पष्ट करना चाहता हूँ कि हम न कभी आरक्षण के साथ छेड़खानी करेंगे और न किसी को करने देंगे। देश की जनता को हम आश्वासन देना चाहते हैं। पीएम मोदी ने पिछड़ा, दलित, आदिवासी समाज के कल्याण के लिए सबसे ज्यादा काम किए हैं।

**हमने बहुमत का उपयोग देश के विकास के लिए किया** अमित शाह ने कांग्रेस पर



निशाना साधते हुए कहा कि हमने अपने बहुमत का उपयोग जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 को हटाने के लिए, तीन तलाक को समाप्त कर मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए, सीएए लाकर विदेशों में प्रताड़ित हो रहे लोगों को न्याय दिलाने के लिए किया है। हमने बहुमत का उपयोग आरक्षण छीनने के लिए नहीं किया। बहुमत का दुरुपयोग करने की परंपरा सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस पार्टी की रही। पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने बहुमत का दुरुपयोग इमरजेंसी लगाने के लिए, लोकतंत्र का गला घोटने के लिए किया था। हमने पूरे लोकतांत्रिक माध्यम से देश की महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने में अपने बहुमत का प्रयोग किया है।

**सांसदों के अनुपात में कांग्रेस को हमसे ज्यादा डोनेशन मिला** इलेक्ट्रॉनल बॉन्ड के सवाल पर

अमित शाह ने कहा कि जिन राज्यों में कांग्रेस पार्टी की सरकार थी, उन्हें चंदे के जरिए बॉन्ड मिला। राहुल गांधी देश की जनता को बोले कि हाँ, हम भी एक्सपॉजेशन करते हैं। सांसदों के अनुपात में उन्हें हम से ज्यादा डोनेशन मिला है। हमारी सरकार पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है। 23 साल से नरेंद्र मोदी पर चवनी का भी कथन का आरोप नहीं लगा है, इसलिए यह लोग जनता के बीच भ्रूति फैलाना चाहते हैं। लेकिन, इसमें यह सफल नहीं होंगे।

मैं सारे देश में घूमकर आया हूँ, हर जगह हर भाषा, हर जाति और हर आयु वर्ग (पुरुष, महिला) सभी पीएम मोदी को वोट देने की तैयारी करके बैठे हैं। सभी लोग मतदान की राह देख रहे हैं। आज मैंने भी गांधीनगर सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। अमित शाह ने

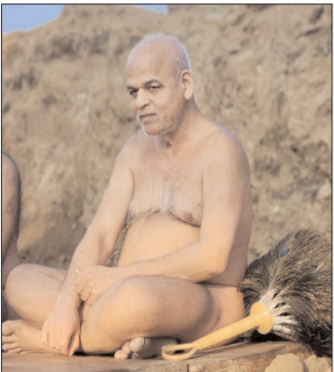
गांधीनगर और देश की जनता से अपील करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएं। पीएम मोदी इस देश को सर्वोच्च स्थान पर पहुंचाने के लिए कटिबद्ध हैं और यह होकर रहेगा।

**भाजपा के कमिटेंट में कोई बदलाव नहीं**

छत्तीसगढ़ के कठिकर में हुए नक्सली एनकाउंटर के सवाल पर अमित शाह ने कहा कि भाजपा के कमिटेंट में कोई बदलाव नहीं है, आतंकवाद और नक्सलवाद लोकतंत्र के लिए सही नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी अपील कर चुके हैं कि जो भी हथियार डालकर आता है, उनका स्वागत है। लेकिन, हथियार लेकर जाओगे, तो सुरक्षाबल इसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। लेकिन, कांग्रेस पार्टी ने इस पर भी जो रिप्लेक्सन दिया है। तुलसीदास के रामचरितमानस में भी एक उपदेश है, ईश्वर जिसका खराब समय शुरू करता है, सबसे पहले उसकी बुद्धि हर लेता है। कांग्रेस ने इस एनकाउंटर को फेक एनकाउंटर बताकर नक्सलियों को बचाने की बात कही है। मैं इसकी घोर निंदा करता हूँ। छत्तीसगढ़ में जब तक कांग्रेस की सरकार थी, नक्सलियों पर ऑपरेशन नहीं होते थे। 90 दिन में हमारी सरकार ने ऑपरेशन किए हैं, जिसमें 87 नक्सली मारे गए और 123 नक्सली गिरफ्तार हुए हैं। इसके साथ 253 नक्सलियों ने सरेंडर किया है।

## कर्म का आश्रव निरंतर होता रहता है, आश्रव को रोकना आसान नहीं: आचार्य श्री समयसागर जी महाराज

के.डी जैन



मैथिली प्रसंग ब्यूरो, कुंडलपुर दमोह। स्वप्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर में युगश्रेष्ठ आचार्य भगवन्त शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य पूज्य आचार्य श्री समयसागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन देते हुए कहा प्रति समय परिणाम बंध होते हैं आत्मा में जीव के परिणाम निश्चित रूप से पूर्ववत कर्म के उदय को लेकर के और कर्मफल के कारण जो सामग्री है विशेष सामग्री उनके निमित्त को लेकर नए सिरे से परिणाम उत्पन्न होते हैं और कर्म का आश्रव निरंतर होता रहता है। उस आश्रव को रोकना आसान नहीं है एक बात यह है आगम के अनुरूप हम सोचते हैं ऐसे संसार में अनंततनंत जीव है बिना पुरुषार्थ के उत्पन्न होते रहते हैं इसलिए गुरुदेव ने स्वाध्याय के दौरान तत्व चर्चा के दौरान बात रखी है और बहुत यह निरंतर इस विषय को ध्यान में रखते हुए हमें चलना चाहिए जीव का जो विकास होता है वह बुद्धि पूर्वक ही होता है और अबुद्धिपूर्वक भी जीव का विकास होता है और अंतर मुहूर्त में ऑटोमेटिक परिणाम में परिवर्तन होता रहता है। जिसको लेश्या भी कहते हैं और अंतर मुहूर्त परिवर्तनीय वह लेश्या होती है जिसके साथ संबंध रखने वाली योग की जो प्रवर्तनीय है उसका नाम लेश्या ऐसा आगम में उल्लेख मिलता इसलिए नहीं चाहते हुए भी यह परिणाम होंगे और निगोद पर्याय में जिस जीव का वास है जहां पर एक श्वास में 18 बार जन्म और मरण हो रहा है और निरंतर अनंत का संवेदन कर रहा है और यह कर्म फल चेतना की बात आती है। वह कर्म नहीं कर सकता अर्थात् बुद्धि पूर्वक उसकी कोई चेष्टा नहीं होती किंतु पूर्व में बंधा हुआ कर्म है वह उदय में आता तो उसका फल भोगना अनिवार्य सिद्ध होता है। वह फल निश्चित रूप से भोगेगा और प्रतिकार के भाव हो सकते हैं किंतु प्रतिकार वह चेष्टा के माध्यम से नहीं करता जैसा समझने के लिए एक वृक्ष खड़ा है भिन्न-भिन्न ऋतुओं में जो भी वातावरण निर्मित होता है उस बीच में वह खड़ा है वह वीडू नहीं सकता दिखा आपने वृक्ष वीडू रहा हो यह बात अलग है रेल में बैठे तो लगता वृक्ष भाग रहे हैं किंतु वह अलग परिणति है वह वृक्ष भाग नहीं रहा वीडू नहीं रहा एक कृषक है

उसके हाथ में कुल्हाड़ी है वृक्ष काटने के उद्देश्य को लेकर उसके पास पहुंचा है कुल्हाड़ी का वह प्रहार कर रहा है और प्रत्येक प्रहार का उस वृक्ष को संवेदन हो रहा है। अनंत दुःख का संवेदन वह कर रहा है आपको उसका कोई संवेदन दिखाई नहीं देता उसकी जो वेदना है आपकी दृष्टि में नहीं आ सकती समझने के लिए चींटी है उस पर पैर पड़ जाता तो छटपटाहट होती। इसी प्रकार कोई भी एक्टिविटी उसे वृक्ष को देखने नहीं मिलती इसके उपरांत भी कर्म का फल वह भोग रहा है निरंतर भोगते हुए भी एक वस्तु का परिणाम है नहीं चाहते हुए भी परिणाम में अंतर आता है। कभी लीज कभी मंद इस प्रकार वह परिणाम की परिणति चलती रहती है। उसमें मान लो उसके परिणाम मंदता को लेकर हैं उसे समय ऐसे योग ऑटोमेटिक हो जाता है वहां से निकलकर मनुष्य पर्याय को प्राप्त हो जाता है। मनुष्य पर्याय को प्राप्त करने का लक्ष्य है इसलिए अतीत के कोई संस्कार होंगे इसलिए प्राप्त कर लिया ऐसा नहीं कहना चाहिए। जहां पर काम करते तो करते हैं सर्वत्र संभव नहीं है। अनादि काल से उसने निगोद पर्याय में ही उसका परिणाम चल रहा है ऐसी स्थिति में उसके विकास के लिए कौन सा प्रसंग बना जिसके माध्यम से वह उभर उठा है 1923 जीव ऐसा है आगम में आया पढ़ने जिसका जन्म कहां पर हुआ है निगोद से निकली है अभी तक अतीत काल में त्रस पर्याय को प्राप्त नहीं किया है बाहर वह पर्याय को प्राप्त कर रहा है उसमें भी चक्रवर्ती के पुत्र बन रहे हैं इसमें भी दो मत मिलते हैं हमने भी सुना है गुरु मुख से एक मत वह है कि वह सिर्फ चक्रवर्ती के पुत्र न बनके पहले गिजाव बोलते उस पर्याय को धारण कर लेते। 923उत्पन्न होकर चक्रवर्ती के पुत्र बन रहे हैं दूसरा मत यह है चक्रवर्ती के वह पुत्र बन रहे हैं हम और आप पुरुषार्थ कर रहे हैं नाक राइ रहे इसके उपरांत भी हमारा विकास नहीं हो पा रहा पुरुषार्थ निरंतर करते हुए भी विकास नहीं हो रहा तो उसमें अपना उपादान ही मानना पड़ता है।

Think ahead ..... Invest for future .....

**जैवर एयरपोर्ट और फिल्म सिटी के पास प्लॉट लेने का सुनहरा अवसर**

GUARANTEED BUY BACK \*\*\* T&C

**सपनों को दें ऊँची उड़ान एयरपोर्ट के पास खरीदें अपना मकान**

**REALPRIX INFRACON PVT. LTD.**  
Corporate Office: C-4, 1st Floor, Sector-2, Noida, UP-201301  
Web.: www.realprixinfracon.com | E-mail : info@realprixinfracon.com

**CONTACT US : 9555668330**

Advt.: Maithili Prasang







मैथिली प्रसंग ट्रस्ट संस्कार, संस्कृति, गीता को आदर्श मानकर चरित्र निर्माण, समाज निर्माण एवं देश के विकास हेतु प्रतिबद्ध संस्था है। इसके माध्यम से दुश्कृत्यों के उन्मूलन हेतु संघर्ष करेंगे। किसी सम्प्रदाय या पार्टी विशेष की महत्वकांक्षाओं से नहीं जुड़ा है। आप को किसी भी तरह की समस्या (जैसे निर्धन की बेटी की शादी, बच्चों की पढ़ाई, बेसहारा को मदद, बुजुर्गों को उनका सम्मान, ईलाज के लिए मदद, कानूनी सहायता, सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाना, आर्थिक सहायता (जैसे 10000 से 50000 तक का मदद) का समाधान चाहिए तो हमें बताएं हम आपकी समस्या का समाधान निकालने की पूरी कोशिश करेंगे।

**मैथिली प्रसंग आप से इस लड़ाई में जुड़ने की अपील करता है। इस मुहिम में आप हमारे साथ सलाहकार या संरक्षक के रूप में जुड़ सकते हैं। हमारे संस्था का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें।**

# Maithili Prasang Trust

CONTACT & WHATSAPP NUMBER.

8505971505, 8586951951, 8929810234

EMAIL: [mprasang@gmail.com](mailto:mprasang@gmail.com)